IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 4, Issue 3, December 2024 Impact Factor: 7.53

/kkj fty d 'k{kf.kd egkfo|ky; e mi;kxdÙkkvk }kjk lpuk [kkt e iLrdky; dh Hkfedk dk v/;;u

Mk- l;n Qghe vyh
शोध निदेशक

cyjke /kko
शोधार्थी

माधव विश्वविद्यालय पिण्डवाड़ा, सिरोही (राजस्थान)

iLrkouk %&

वर्तमान समय में धार जिले में अनेक संस्थाओं के शैक्षणिक कार्य किया जा रहा हैं, जिसमें मुख्य रूप से शासकीय और अशासकीय संस्थाओं एवं महाविद्यालयों की मुख्य भूमिका रही हैं। इस अध्ययन कार्य में शासकीय संस्थाओं में पुस्तकालय के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के द्वारा सुचनाओं को प्राप्त करने में विभिन्न तकनीकियों का उपयोग किया जा रहा हैं, जिसका अध्ययन इस लघु शोध अध्ययन में किया जा रहा है। शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के द्वारा अनेक प्रकार से सूचनाओं को एकत्रित करने का कार्य किया जाता हैं, जिसमें मुख्य रूप से पुस्तकालय प्रणाली, कम्प्यूटर प्रणाली, ऑनलाईन माध्यम एवं ऑफ लाईन माध्यमों का मुख्य रोल रहता है। इस लघु शोध अध्ययन में इसी तथ्यों को आधार मानकर लघु शोध अध्ययन को तैयार किया जा रहा हैं, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के द्वारा पुस्तकालय प्रणाली के माध्यम से सुचनाओं को एकत्रित करने का माध्यम माना गया है। वैसे तो स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के द्वारा सुचनाओं को एकत्रित करने के लिए महाविद्यालय की पुस्तकालयों का उपयोग अधिक से अधिक मात्रा में किया जाता हैं, जिसके लिए उनके द्वारा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न पुस्तकालयों का उपयोग किया जाता हैं, ताकि उनको चाही गई जानकारी आसानी से प्राप्त हो सके। वर्तमान समय में पुस्तकालय का उपयोग स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के द्वारा अधिक मात्रा में किया जाता हैं, ताकि वे उनके विषय से संबंधित कार्यो को आसानी से पूर्ण कर सकें और अधिक से अधिक मात्रा में पुस्तकालय प्रणाली का उपयोग भी हो सके। वैसे तो धार जिले के प्रत्येक तहसीलों में में महाविद्यालय उपलब्ध हैं, जिसका उपयोग इस क्षेत्र में निवास करने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के द्वारा अधिक से अधिक इन पुस्तकालयों का उपयोग किया जा है और आगे के अध्ययन कार्य को पूर्ण किया जा रहा है।

धार जिला चुंकि अनुसूचित जाति और जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। इस क्षेत्र में अधिकांश आदिवासी समुदाय अनुसूचित जनजाति के लोगों की जनसंख्या अधिक मात्रा में देखी गई है। चयनित लघु शोध अध्ययन चूंकि धार जिले के शैक्षणिक महाविद्यालयों में उपयोगकर्ताओं के द्वारा सूचना खोज में पुस्तकाल की भूमिका का अध्ययन से संबंधित है। धार जिल में शासकीय और अशासकीय संस्थाओं के द्वारा महाविद्यालयों का संचालन किया जा रहा हैं, लेकिन अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकांश लोगों के द्वारा शासकीय महाविद्यालय में अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए भेजते हैं, जिसमें इन लोगों के द्वारा इन महाविद्यालयों में अनेक प्रकार के संसाधन जिसमें मुख्य रूप से कक्षाओं एवं पुस्तकालयों का उपयोग अधिक से अधिक मात्रा में करते है। इन महाविद्यालयों में सभी विद्यार्थियों को पुस्तकालय की ओर से निःशुल्क पास बनाया जाता हैं, जिसका उपयोग वे पुस्तकों को पढ़ने के लिए अपने घर पर ले जाते हैं और अध्ययन कार्य को पूर्ण करते है। महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के द्वारा इन पुस्तकालयों का उपयोग ज्ञान वृद्धि के लिए किया जाता हैं, इसके अलावा शासकीय परीक्षा, नौकरी से संबंधित कार्य के लिए इन पुस्तकों का उपयोग पुस्तकालय से जारी के ज्ञान प्राप्त करने के लिए किया जाता है। कभी–कभी विद्यार्थियों की आर्थिक

स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण इनके द्वारा इन पुस्तकालयों में से पुस्तको को कुछ समय के लिए इनके कार्ड पर जारी करके अपने घर पर ले जाकर अध्ययन कार्य पूर्ण करते हैं, और जैसे ही परीक्षा एवं कार्य पूर्ण होता हैं, इनके द्वारा यह पुस्तकें पुस्तकालयों में वापस से जमा कर देते हैं, इससे यह सिद्व होता हैं कि इन विद्यार्थियों के द्वारा पुस्तकालयों का उपयोग सूचना को एकत्रित करने के लिए अधिक से अधिक मात्रा में किया जा रहा हैं और आगे आने वाले समय में और भी अधिक मात्रा में इन पुस्तकालयों का उपयोग इनके द्वारा किया जाएगा। जैसे–जैसे विद्यार्थियों को अध्ययन कार्य के दौरान पुस्तकालय के बारे में जानकारी प्राप्त होती हैं वे उन पुस्तकालयों का उपयोग उनके दैनिक कार्यो के दौरान एवं उनकी आवश्यकता के अनुसार करते जाते हैं और समय निकालकर इन पुस्तकों का अध्ययन करते है। आज के दौर में पुस्तकालयों की भूमिका जितनी धार महाविद्यालयों में उतनी किसी और की नहीं हैं, क्योंकि पुस्तकें के द्वारा ही कोई भी व्यक्ति आसानी से ज्ञान को अर्जित करके अपने भविष्य को सुधारने का कार्य करता है। आज जो कोई भी विद्यार्थि अगर सफल हुआ हैं तो उसमें पुस्तकालय और पुस्तकों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

lcaf/kr lkfgR; dk iqujkoyksdu ¼&

इस अध्ययन कार्य में पुस्तकालय और कम्प्यूटर प्रणाली से संबंधित अनेक प्रकार के साहित्य का अध्ययन किया गया हैं जो कि अग्रलिखित हैं :–

ikudrko ¼2006½ के अनुसार किसी भी वैज्ञानिक गतिविधि में साहित्य की खोज एवं उनका विश्लेषण महत्त्वपूर्ण होता है, परन्तु ज्ञान विस्फोट के इस युग में प्रकाशित साहित्य का अनुमान लगा पाना अत्यंत कठिन कार्य है। वैज्ञानिक ज्ञान के सम्प्रेषण की चुनौती को स्वीकार करने हेतु सूचना स्त्रोतों के इस असीमित भंडार से वाँछित सामग्री प्राप्त करनी होती है, इस समस्या का समाधान वर्ल्ड वाईड वैब के द्वारा सम्भव है।

vkfIQ ,oa uqIjr ¼2007½ ने अपने शोध पत्र में इस्फहान विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के मध्य डिजिटल संसाधनों के उपयोग व जागरुकता ज्ञात करने के लिए वर्णनात्मक विधि की प्रश्नावली का निर्माण सर्वेक्षण हेतु किया। इस्फहान चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के ग्रन्थालय एवं सूचना केन्द्रों के उपयोगकर्ताओं को सर्वेक्षण के लिए चयनित कर उनको आधार माना था। ऑफलाईन डेटाबेसो और केन्द्रीय ग्रन्थालयों में भी सर्वर से जुड़े टर्मिनलों के उपयोग हेतु शिक्षा की कमी के कारण छात्रों द्वारा ऑफलाइन डेटाबेसों के उपयोग में कमी पाई गयी। उपयोगकर्ताओं को कम गति और हार्डवेयर सुविधाओं की कमी जैसी समस्याओं का भी सामना निरंतर करना पड़ रहा था उसका अध्ययन किया है।

ckjxks o vU; ¼2007½ ने अपने शोध पत्र में केटालोनिया के शैक्षणिक ग्रन्थालयों के कंसोर्टियम से सम्बन्धित विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं का उपयोग ज्ञात करने के लिए एक सर्वेक्षण अध्ययन किया है। इस अध्ययन में पाया गया कि उत्तरदाताओं (शिक्षक एवं शोधकर्मी) का बहुमत इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं के संग्रह से पूर्णतया परिचित है। प्रिंट प्रारूप की अपेक्षा इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप की वरीयता का प्रतिशत तेजी से बढ़ रहा है। इलेक्ट्रॉनिक संग्रह अधिक उपयोगी व मूल्यवान हैं के महत्त्व की पुष्टि करता है। इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप को शैक्षणिक कर्मचारियों जिसमें बायोमेडिसिन, इंजीनियरिंग और प्राकृतिक विज्ञान शामिल है, अधिक महत्त्व दिया गया है। अपने शोध–पत्र से स्पष्ट किया है।

jkt'k[kj ¼2007½ ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कम्प्यूटर ज्ञान तथा कम्प्यूटर के प्रति उनकी अभिवृत्ति पर अध्ययन किया। इस अध्ययन में तमिलानाडु राज्य के कुडालोर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 670 शिक्षकों का चयन कर अन्तिम रूप दिया गया है। अध्ययन में यह भी पाया कि मात्र 16.70% शिक्षक ही कम्प्यूटर का अच्छा

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 4, Issue 3, December 2024 Impact Factor: 7.53

ज्ञान रखते हैं परन्तु अधिकांश शिक्षकों का कम्प्यूटर व इंटरनेट के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक पाई गयी है। साथ ही साथ शिक्षकों के कम्प्यूटर ज्ञान एवं उसके प्रति उनकी अभिवृत्ति में सार्थक सह–सम्बंध ज्ञान प्राप्त है को स्पष्ट किया है।

duh;kiu o vU; ½2008½ ने अपने शोध पत्र में विभिन्न सूचना स्त्रोतों व सेवाओं एवं उनका शिक्षकों के शैक्षणिक विकास पर प्रभाव व सूचना स्त्रोतों के उपयोग में आ रही बाधाओं व उपयोगकर्ताओं का सन्तुष्टि स्तर ज्ञात करने के उद्देश्य से अन्ना विश्वविद्यालय ग्रन्थालय, तमिलनाडु में एक सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ कि अध्ययन में शामिल शत प्रतिशत उत्तरदाता कम्प्यूटर/ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते है। इन्होंने अपने शोध के माध्यम से स्पष्ट करने का प्रयास किया है।

dkj ½2008½ ने अपने शोध पत्र में पंजाब एवं हरियाणा के इन्जीनियरिंग कॉलेजों में सूचना स्त्रोतों एवं इंटरनेट सेवा का छात्रों एवं शिक्षकों के मध्य उपयोग का मूल्यांकन किया। जिसमें ज्ञात हुआ कि अधिकांश उत्तरदाता इंटरनेट का उपयोग अपने कॉलेजों या कार्य स्थलों पर ही कर रहे हैं। जबकि अधिकांश उत्तरदाता इंटरनेट सेवा का उपयोग मुख्य रूप से शैक्षिक एवं अनुसंधान कार्यों को पूर्ण करने के लिए करते है। गूगल एवं याहू सर्च इंजन अन्य सर्च इंजनों की अपेक्षा उत्तरदाताओं के मध्य अधिक प्रचलित है, जो अपने शोध–पत्र में स्पष्ट किया है।

ikFkfed vkdM+s

इस लघु शोध अध्ययन को पूर्ण करने के लिए प्राथमिक आंकड़ों का सहारा लिया गया हैं, जिसमें धार जिले में अध्ययनरत 50 विद्यार्थियों से साक्षात्कार करके उनके विभिन्न जानकारी प्राप्त की गई है।

f}rh;d vkdM+s

द्वितीयक आंकड़ों के रूप में पुस्तकालय के आंकड़ों, छात्र प्रदर्शन और संसाधन उपयोग से संबंधित शैक्षणिक रिपोर्ट, उच्च शिक्षा में पुस्तकालय कौशल पर मौजूद साहित्य का अवलोकन आदि का उपयोग किया गया है।

v/;;u dk {k=

इस अध्ययन कार्य के लिए धार जिले के महाविद्यालय में उपयोगकर्ता सुचना की खोज को चुना गया है।

rF;k dk lxg.k

इस लघु शोध कार्य को पूर्ण करने के लिए महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को चुना गया है।

तालिका क्रमांक 01.क्या आप महाविद्यालय में अध्ययन करते हों ?

क्रमांक	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	35	70
2.	नहीं	15	30
	कुल	50	100

(प्राथमिक आंकड़े धार जिले के महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से साक्षात्कार के आधार पर प्राप्त आंकड़े 2025)

धार जिले में निवास करने वाले अधिकांश विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय में अध्ययनरत करने के लिए आते हैं, ये विद्यार्थी महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं, इस बात को मानने वाले विद्यार्थियों की संख्या 35 हैं, जिनका प्रतिशत 70 हैं एवं इस बात को नहीं मानने वाले विद्यार्थियों की संख्या 15 हैं, जिनका प्रतिशत 30 है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 3, December 2024
Impact Factor: 7.53

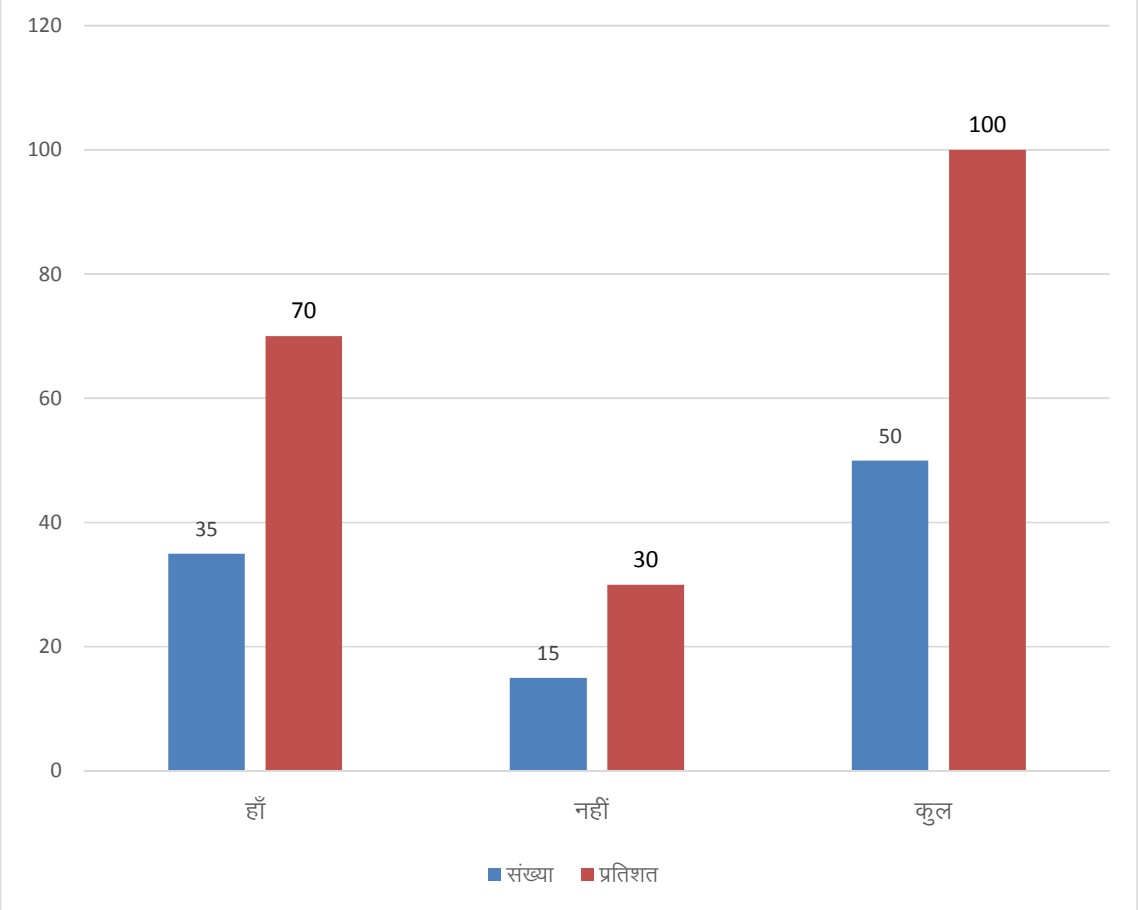

तालिका क्रमांक 02 . क्या आप महाविद्यालय में किस स्तर के विद्यार्थी हों ?

क्रमांक	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1.	स्नातक	32	64
2.	स्नातकोत्तर	18	36
	कुल	50	100

(प्राथमिक आंकड़े धार जिले के महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से साक्षात्कार के आधार पर प्राप्त आंकड़े 2025)

धार महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में से स्नातक स्तर पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 32 है, जिनका प्रतिशत 64 हैं एवं स्नातकोत्तर स्तर में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 18 हैं, जिनका प्रतिशत 36 है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 3, December 2024
Impact Factor: 7.53

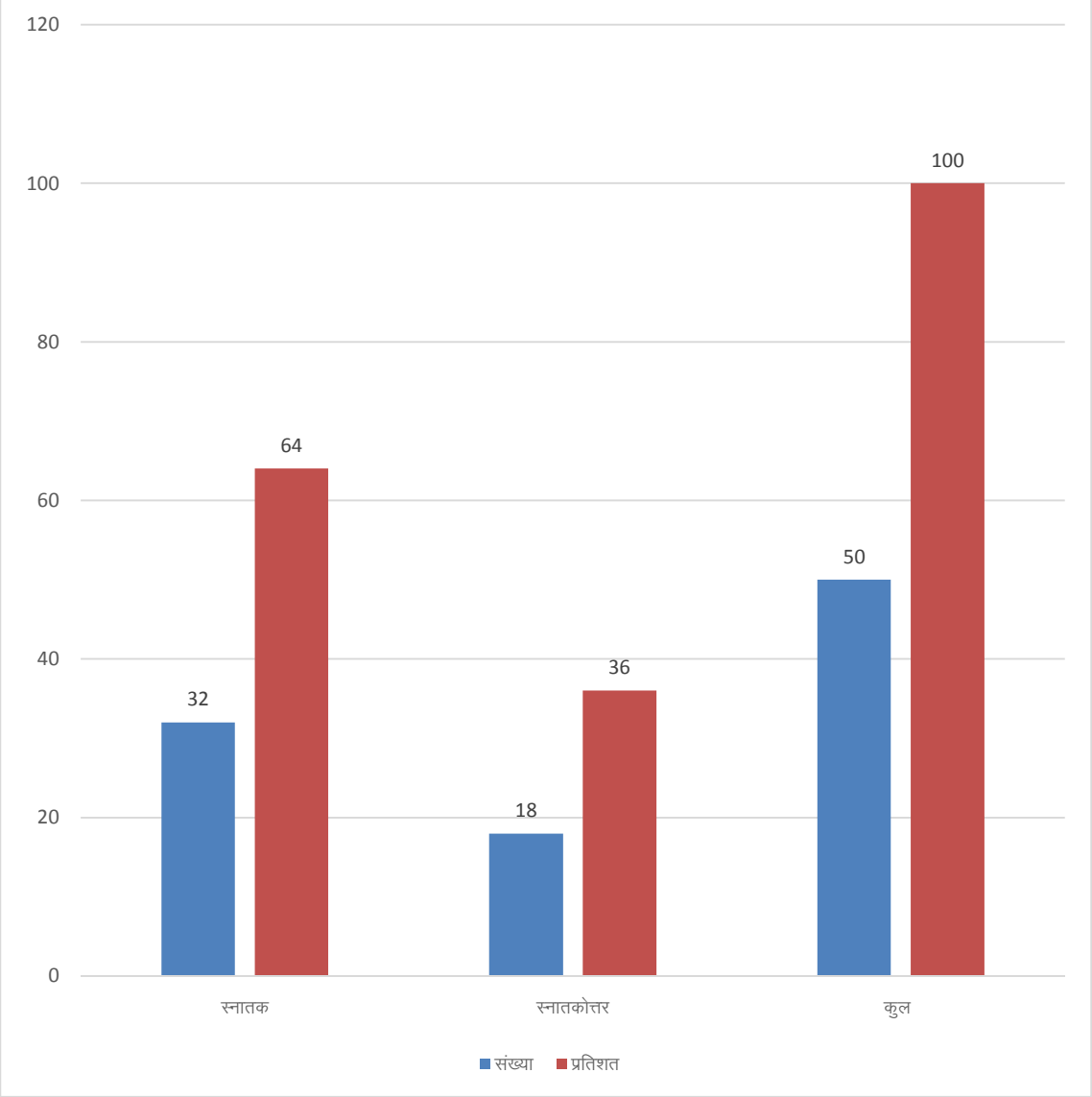

तालिका क्रमांक 03 क्या आप महाविद्यालय में पुस्तकालय का उपयोग करते हों ?

क्रमांक	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1.	स्नातक	40	80
2.	स्नातकोत्तर	10	20
	कुल	50	100

(प्राथमिक आंकड़े धार जिले के महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से साक्षात्कार के आधार पर प्राप्त आंकड़े 2025)

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 3, December 2024
Impact Factor: 7.53

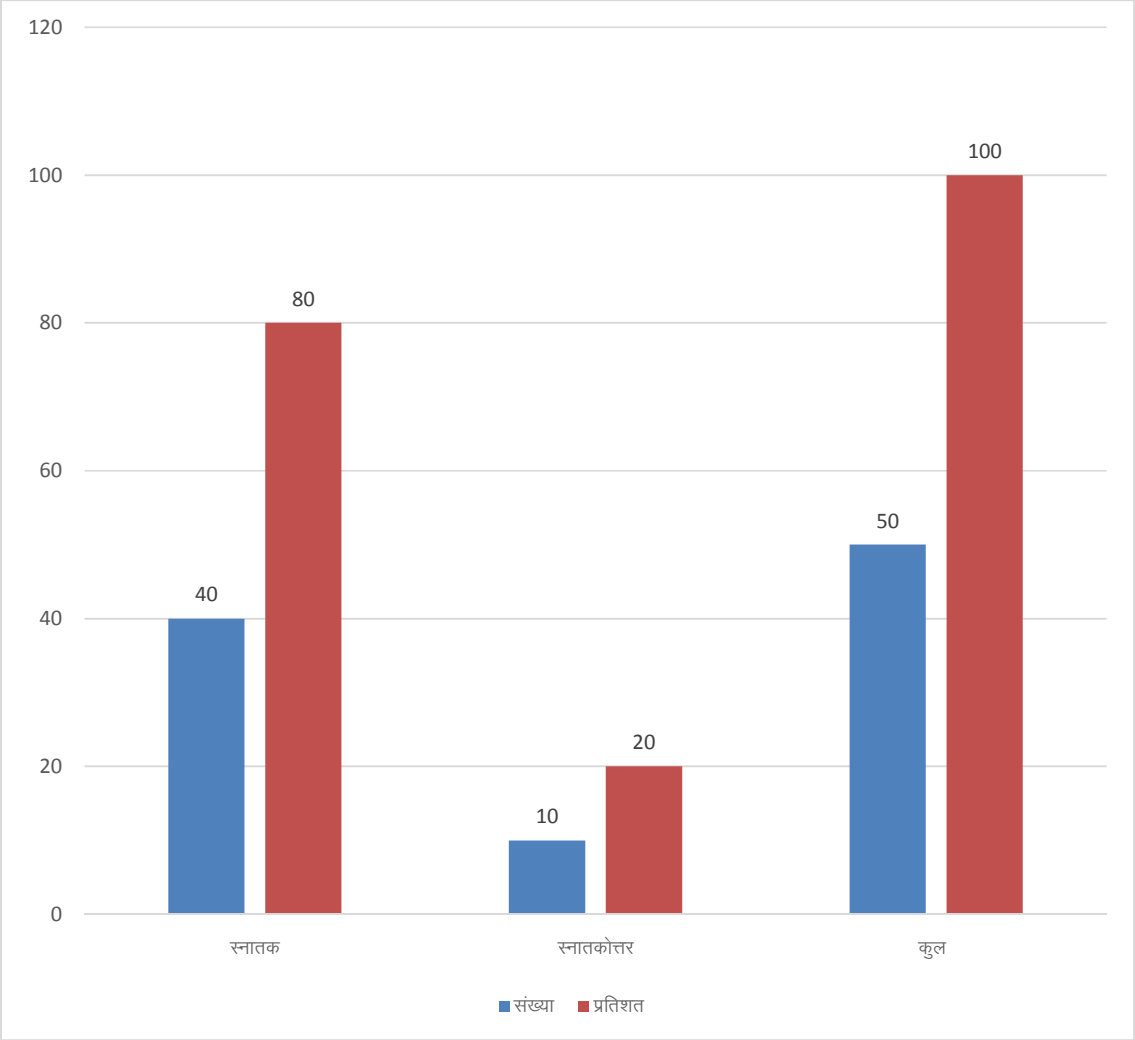

महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने माना हैं कि उनके द्वारा महाविद्यालय में स्थित पुस्तकालय का उपयोग अध्ययन कार्य को पूर्ण करने में किया जाता हैं, इस बात का समर्थन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 40 हैं, जिनका प्रतिशत 80 हैं एवं इस कुछ ऐसे विद्यार्थी भी हैं, जिनके द्वारा महाविद्यालय में स्थित पुस्तकालय का उपयोग नहीं किया जाता हैं, ऐसे विद्यार्थीयों की संख्या 10 हैं, जिनका प्रतिशत 20 है।

तालिका क्रमांक 04 क्या आपके द्वारा महाविद्यालय में स्थित पुस्तकालय का उपयोग सुचना की खोज में होता हैं ?

क्रमांक	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	29	58
2.	नहीं	21	42
	कुल	50	100

(प्राथमिक आंकड़े धार जिले के महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से साक्षात्कार के आधार पर प्राप्त आंकड़े 2025)

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 4, Issue 3, December 2024 Impact Factor: 7.53

महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने माना हैं कि पुस्तकालय का अधिकांश उपयोग विभिन्न सूचना की खोज में होता हैं, इस बात को मानने वाले विद्यार्थियों की संख्या 29 है, जिनका प्रतिशत 58 हैं एवं इस बात को नहीं मानने वाले विद्यार्थियों की संख्या 21 हैं, जिनका प्रतिशत 42 है।

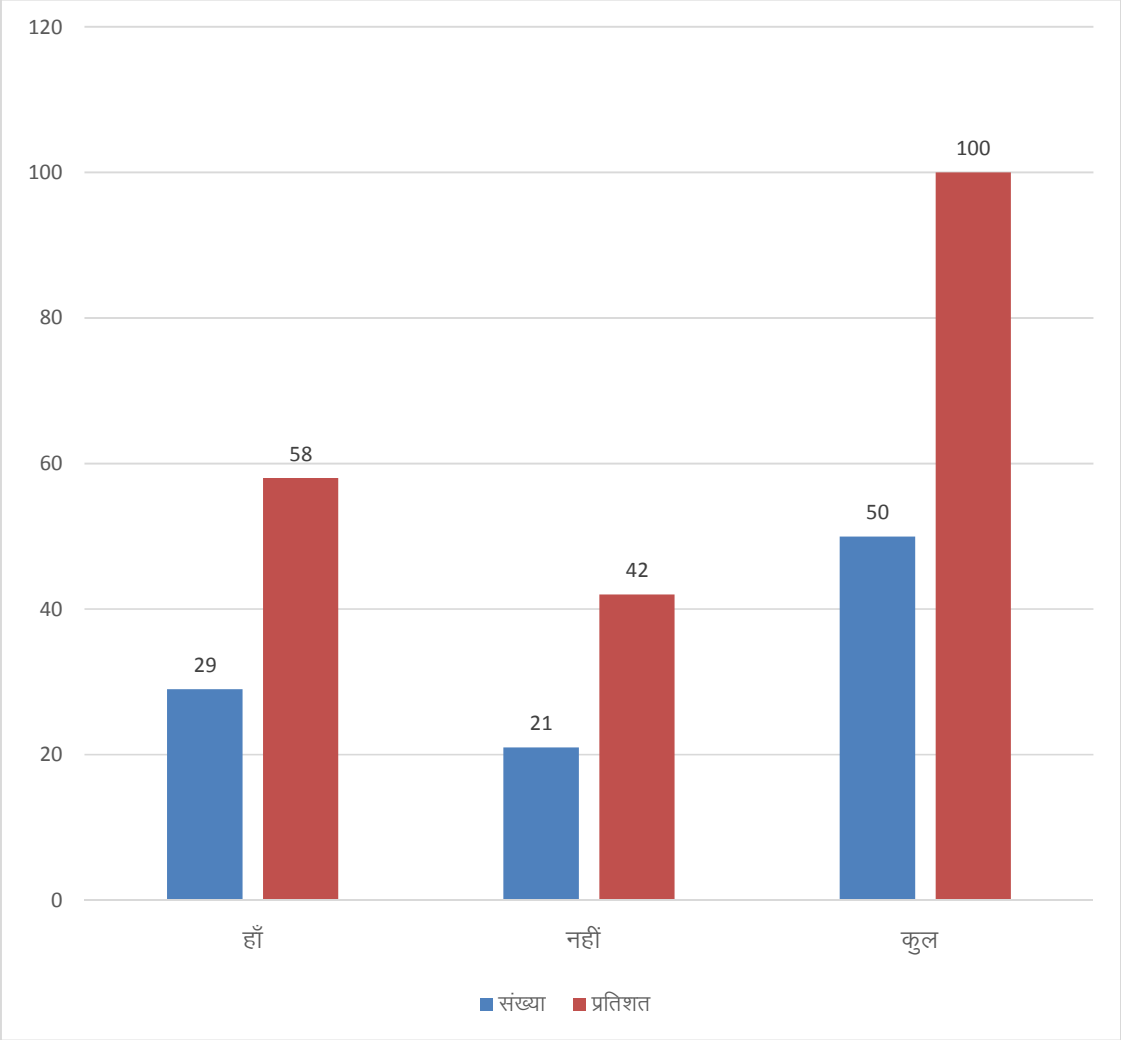

fu'd'k %&

लघु शोध तैयार करते समय साक्षात्कार के समय कुछ निष्कर्ष निकल कर सामने आये हैं, जो कि अग्रलिखित हैं :–

1. धार जिले में निवास करने वाले अधिकांश विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय में अध्ययनरत करने के लिए आते हैं, ये विद्यार्थी महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं, इस बात को मानने वाले विद्यार्थियों की संख्या 35 हैं, जिनका प्रतिशत 70 हैं एवं इस बात को नहीं मानने वाले विद्यार्थियों की संख्या 15 हैं, जिनका प्रतिशत 30 है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 4, Issue 3, December 2024 Impact Factor: 7.53

2. धार महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों में से स्नातक स्तर पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 32 है, जिनका प्रतिशत 64 हैं एवं स्नातकोत्तर स्तर में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 18 हैं, जिनका प्रतिशत 36 है।
3. महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने माना हैं कि उनके द्वारा महाविद्यालय में स्थित पुस्तकालय का उपयोग अध्ययन कार्य को पूर्ण करने में किया जाता हैं, इस बात का समर्थन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 40 हैं, जिनका प्रतिशत 80 हैं एवं इस कुछ ऐसे विद्यार्थी भी हैं, जिनके द्वारा महाविद्यालय में स्थित पुस्तकालय का उपयोग नहीं किया जाता हैं, ऐसे विद्यार्थीयों की संख्या 10 हैं, जिनका प्रतिशत 20 है।
4. महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने माना हैं कि पुस्तकालय का अधिकांश उपयोग विभिन्न सूचना की खोज में होता हैं, इस बात को मानने वाले विद्यार्थियों की संख्या 29 है, जिनका प्रतिशत 58 हैं एवं इस बात को नहीं मानने वाले विद्यार्थियों की संख्या 21 हैं, जिनका प्रतिशत 42 है।

l>ko %&

विभिन्न निष्कर्षो को आधार मानकर यह पर कुछ सुझाव प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जो कि अग्रलिखित हैं :–

1. धार जिले के अधिकांश महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के द्वारा पुस्तकालय प्रणाली का उपयोग अधिक मात्रा में किया जा रहा है।
2. पुस्तकालय प्रणाली का उपयोग अध्ययन कार्य के अलावा विभिन्न सुचनाओं को संग्रहित करने के लिए किया जा रहा है।
3. पुस्तकालय के माध्यम से अधिकाश विद्यार्थी अपने अध्ययन कार्य को पूर्ण आसानी से कर पा रहे है।
4. पुस्तकालय के उपयोग से गरीब विद्यार्थियों को पुस्तके न के बराबर खरीदनी होती है।
5. पुस्तकालय से विद्यार्थियों के भविष्य को आसानी से सुधारा जा सकता है।
6. वर्तमान समय में पुस्तकालय के उपयोग से विद्यार्थीयों का भविष्य उज्जवल होता है।

lnHk xzFk lph

1. अग्रवाल, उमेश कुमार (1992). पुस्तकालय प्रशासन. उदयपुर, राजस्थान प्रकाशन गृह.
2. मुखर्जी, रविन्द्रनाथ (1998). सामाजिक शोध व सांख्यिकी. दिल्ली, विवेक प्रकाशन.
3. कुमार, पी. एस. जी., (2003). फाउन्डेषन ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फोमेशन साइसं. दिल्ली, बी. आर. पब्लिशिंग कार्पोरेशन.
4. लाल, सी. और कुमार, के. (2002). ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान. आगरा, वाई के पब्लिशर्स.
5. बघेल, डी. एस. (2012) ''शोध पद्धतियाँ''
6. शर्मा बी. के. एवं ठाकुर ए यू. एम. (2011) ''पुस्तकालय सूचना विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी : विवेचनात्क अध्ययन'' (द्वितीय भाग) आगरा, वाई. के. पब्लिशर्स.
7. प्राथमिक आंकड़े धार जिले के महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से साक्षात्कार के आधार पर प्राप्त आंकड़े 2025